

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक

१७६(१७६)

ग्रंथ नाम

वि. प्रकरणे.

पूजापथा कृष्णजन्म.

विषय

मराठी काव्य.

२.१.१४

सराढी

काठ्य ✓

५१६/५१५६



कोळीचें वाड, वगेरे

67

॥ श्री ॥ समसमधि

॥ यक घरी हो माजर व्यात्ती ॥ सात घर
॥ रती ॥ ५५ ॥ दोन घर अहेत भींगाची ॥
॥ आत्मपुती श्री रंगाची ॥ तेथे वाठ
॥ नाही जायाची ॥ चोकी बेंसती ॥ चो
॥ की बेंसती ॥ य० ॥ १॥ दोघरी नोवतया
॥ हे ॥ नवाजता वाजत आहे ॥ आका
॥ शीची साक्षी पाहे ॥ तेथे यक खोली
॥ २॥ य० साता घर चहु कुनवाठ ॥
॥ यावर वसेवती यक पैठ ॥ गोपा
॥ न्नाथे केला घोठ ॥ गुरुची बोली
॥ गुरुची बोली ॥ १॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥
॥ श्री गुरुजीने जेनी ननु रचिनि जगु जग ॥ आनु
॥ भवासी मनाये ॥ य० ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥
॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥
॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥
॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥
॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥
॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

श्रीरामचन्द्र

(2)

गङ्गातटिनि याचपत्तये धीमेव च प्र
वेद्यगिहोत्तराजीनिष्ठा प्रयत्ना
गङ्गातटिनि याचपत्तये धीमेव च प्र
वरिष्ठा गङ्गातटिनि
रामचन्द्र याचपत्तये



Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Chavan Pratishthan, Mumbai.

धूँझ लैत शाह ऐफार उवाये ॥ ३ ॥
 नासे शाहनवन पाहासीका येआता ग
 लाअसेकरनीपुनै वीचि तो वीधात
 ॥ ऐसेव देवि व तिगे परीत नमानी तो
 ॥ तेला नारद राच म्छा नि ॥ ४ ॥ बोले
 रहशा भंका म विधु म को नीबोये
 रिी ॥ ना ॥ ५ ॥ जीवै भवगमेव
 भागीतु सो सी ॥ ६ ॥ दोरो मा पती म
 ये मोची दृष्ट ॥ ७ ॥ काय से जो उ
 संपती की मेल हावधु म लीत से
 मावु दुष्टो उका ॥ ८ ॥ तुल आतिद
 करानि बांहांग निबाह मी ॥ ९ ॥ तेतु से व
 मीतु छव रिगे डेतु क से सो सी सी
 ये कामी निचे असे बल बहु निर्मात्र
 पति



The Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Chavan Pratishthan, Mumbai.

(५)

नेका। ज्ञान सेवने परी न ज। वेष्टा स्वधां मा
मती ॥ ६७ ॥ आधी का मि नि च्या क हो र्व च ने
को धा। नी तो च त ला ॥ आ ज्ञा चा म ग हो
म ज्य न्य कर नी ह्या नार हे शि ची ला ॥
ने का श्री गृह ध कु नी प शु प ति को पु न जे
गौ व न नां धे जे ज्ञा न नि प की के द वि नि
ने ह्या सा ग ति ॥ ७० ॥ उ म ठु का। शि वे
न हि के र मे वा न ॥ नी वे ह्या नि ज
न क्य ह्या चो ह ॥ ७१ ॥ ने लो ध कु नी तू
गे का ॥ अै कु नी ती रे बहु को ध अ कु
सी स र खा ची प री सो नी वी ए नी तौ ख
चि ते व द की न वा नि ॥ हा ता आ क मी
सा ची आ हे मी सा ग द ल ह ए या चे पा
म बौ ल पु वी ठि नी म ह ने द ह न



Project of the Rajawade Sansodhak Mandal Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan

(5)

गुरुक असो॥ न से पा दी पो दी सकळ ही
कुळि शुन्य दिसो॥ पीता माता वधु भ
गी निचुळ ता मा वळ न से थ कुळि हाथ
से ह पुनि नरक पोळ धरित सै॥१७॥
करी कोर माने॥ य सुजु निबेळा वरि
बसे॥ सुव रच रच निगुज अजीन
माव लु वीळ रे निकेळा सा सम
स्वळ स्म शाना॥ तो॥ विशाच्या
सागा तेम नु रि॥ दानु ये करितो॥१८॥
सुरलेश्री मुळे कनक मणी माळा विनय
ळि॥ मुनुच्याची शेकी रधीर सहिते वं
धं रि की॥ सुगंधा ही द्रव्य सुजु निगु
छि मस्त वरीरी॥ सुव लु गिची पात्रे स
इय नि करी तो रव पर्न धरि॥१९॥

(6)

द्विरस्कारोनीयावकुळ तर पुर्वे
प्राहीकमळो आणी मी तिने जे
धरीनी जरी विधतुर फुळे ॥ सुधा अ
हो निविष घे च प्याळा पशु पति ॥
सह मागे भी आभी मव ओसा
पार्वति पति पदं ग्राही वाहे
न कर निवर्त रेण ॥ आभा ने
ही ध्याता वरी मी जी जन्म मर
ण ॥ अने का भाग्य ली पाव गणु नीय
योग करणे ॥ असे जगी चगी गे हव
धुतया काय करणे ॥ १४ ॥ मळा पल्लु
आजात धी जननी ताता सी वदळ
आसे डायाता नानु पेन दिजे मासी
आबळी ॥ वीर मी डा अ हे नि पु न न

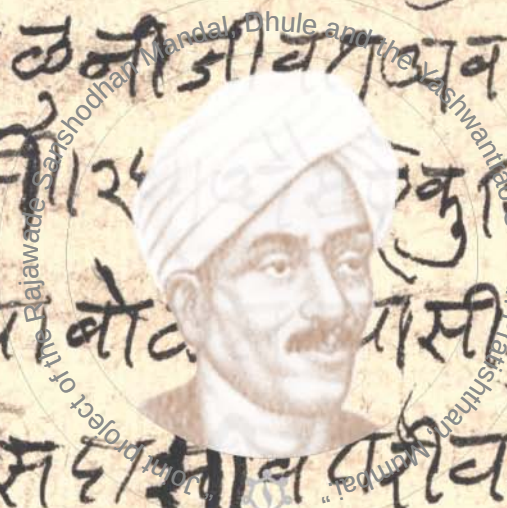
(७)

रसवसारीवनसे ॥ अशाळाहे
देवापारीपुढाईळातोभवनसे ॥ १५ ॥
आसेवज्जीमातापरीममपियुनेनमानि
ळे ॥ वीधाया नेमास्य ॥ निउळीळीहीळे
तेचीचउळे ॥ मुखीजेमातेनेकथीळेहि
सतेयाहनीहले ॥ साआताकोठेपशु
पतिअसेमोघ ॥ १६ ॥ सस्याहोजा
वेगीत्रीपुरहार ॥ महीपरी ॥ असे
कोळेलेस्छा ॥ मनेकरायाळ
वकरी ॥ पुढाम्रीजाउनीवीनउजिल
याअनघरा ॥ नयतेहाजा ॥ एका
पदीहलेमिरदियेखरा ॥ १७ ॥ आसे
एकेनियाभ्रमएकरीतीयापीकरबा
॥ विळेकीतायेतीहिमगीरीरी

देव ति वी वा ॥ दुखनी देखुनी फीर
 नी मगडा टी निस्छळा ॥ कथी
 टी अबेतो हिम गीरी गीरी तो नीर रवी
 ला ॥ १८ ॥ हा दुतिका कथी गिये परिर
 मे वाणी ॥ सरि बने नी कळवा कर काव्य पां
 णी ॥ मा पव ताव ॥ त रिको न प्यळ्या
 दुष्टी पडो विपव ॥ ती घुळोळ्या ॥ १९ ॥
 याच्या क घडून ॥ रखेनी प्राको, या
 कोन नी कर वेत पसा धना तो ॥ आळे उगाच
 मलेमी सजुनी प्रीयासी ॥ सानार हे हक
 वीळे प्रज निश्चय ही ॥ २० ॥ वी चार कुहि
 म्या बरान केळा ॥ संसार हा रत्री वी एगेळा
 पुनं पुनं बोलत शेभू तोळा उगाच मी वा
 नळी वी प्रबोळा ॥ २१ ॥ रत्री वाचुनी तो म

जना हवेना ॥ का कुळति येति दुजेम
 रेना ॥ अता कंरा वेतरी का ये येथे ॥ तो
 पातळा ना रंदि शि ध्रतेथे ॥ २१ ॥ मुनी मण्ड
 कामनव्येग केवें शभू सने हा धर बुड
 वीळो पुढां वहे ना जे मांरी चीतां ॥ मह
 की नी हेकरी नि ॥ २२ ॥ शेरी रईचे
 मुर्त हेम वरुगी ॥ रचेतरी कोणव
 णी ॥ हा वरी हो ॥ पुपणी ॥ जानोनी
 शंभू ती जळगी पली ॥ २३ ॥ गजे सिक्करी वा
 वीळा सेवी सरे को जा स शंभो पते ॥ नाना नृप
 नवा व्या गाये न वरी बैसो नीया पर्वती ॥
 ॥ वरुने सुंदर भुवले उभये ताळे ति नवे नी
 हो ॥ ऐसे सौख्य उन से परतुन विह साचें व
 चीत हो ॥ २४ ॥

हेचरानियनिवीळो कुनिमुनिगेळाउभा
 भूवनि॥ बोळेवोजननीसीवेस्युनी
 पांकेळीदुजीकामीनि॥ क्रीडेहीमवनी
 सुसौख्यधरनी॥ नोजीसुमदकीनी॥
 हेतुतेकळनीजीवगवनिगुअस
 सीवसुनि॥ २५ ॥ कुनियांहीमा
 दितनयाबोवणीसीमुखे॥ अह
 येईकेगेसहासावणीवज्जीदुसी
 यासुखे॥ जोमातस्युनिरमेसवे
 तीसीतोकायेधगाकीजो॥ गळापा
 नरासीचवशहेदुष्टीकहाणांणीजो
 मीतिहोतेचीनउप्रीतिने॥ दोर



पर वर से सब तिने ॥ काये सा थ
क्या वरी सं चुनी ॥ हा सी हे मुख न
हा रत्र वि को च नि ॥ २४ ॥ या वरी वहुनी
व्या कुळ ते पडे ॥ भाळ मस्त क पी ही
वहनी रडे ॥ भाळ मस्त क पी ही
रा हि का ॥ ऐ वे त नार द चाळी
का ॥ २५ ॥ गोड गे प जुळ वारा ॥
नारु चे म ज वि उ ल रा ॥ होत से बहु
त दे हि उ बारा ॥ च द की ल हि स ते
र की बारा ॥ ३० ॥ को की ल से उ उ बा प व
वा गे जी व होत से ब रा प ल बा गे ॥ वा
ये र ल ग ही प ल बा गे ॥ तो दि नी क री से
पी च ल बा गे ॥ ३१ ॥



कोकी की मं लोति सीत क की दु हा
 तारी म ज ग मे वी ~~म~~ वी दु ॥ ३१ ॥ ठार वा
 ती वी खार-वी जे से ॥ स्वामी असु
 नि न ये ती च के सो ॥ ३२ ॥ बोळ ती
 जन स हा सी न ~~ने~~ सी जाची सो अ
 से आ बा र्धी ॥ ३३ ॥ ता प सा ग
 मन वी मु नी य ~~क~~ वी सुर य न ही
 ती सी नो गी ॥ ३४ ॥ जा उ नी मु नी व हे
 म ग रा न वा ॥ ३५ ॥ तु ड वी ए व ह त वा
 कुळ ते व वा ॥ ३६ ॥ प्रा ए हा गी जे म मे ह द
 इ म वा ॥ ३७ ॥ ऐ कु नी म गं स हा सी व चा की
 का ॥ ३८ ॥ जा कु वी व द ग से म ग हा ते

कायसज्युनी जालीळमातें।। १७८॥
 कतश्रुतुगो॥ च। कतुश्रमहारमेज
 संगे॥ ३५॥ नेरीदेसुळकीतुंतीरीर
 मळाकोधयेइळबहुगीरडेळा॥
 उपगवेवीएवनेरसुदरि।। दुही
 हेपडुनदुर्त।। ३६॥ तेद
 एवचनद्या।। हासाको॥ ठेवी
 लीसीवेनिडामसाको॥ यापरीधरनी
 याशीरीगोतमीपातळाशीरैरेगीर
 जाश्रामी॥ ३७॥ आळतुळघुनी
 वरगीरीतेवपाहे।। तोपावतीनेदि
 थळीवपाहेराहोनी॥ उभा। मगहावम
 री॥ तेबोळीहोअसेकोनदारी॥ ३८॥

बोके श्री हार निळकंठ अस के वाळ रवी
साडी सी ॥ अहे टा उकता मयुर मज का
घ हो कि ति जे । डि सी ॥ नो हे मोर मी
काळ कुट धर गे माथी सि बध्द । अुकी ॥
येथे कातरी पातला मी भू जगो जावे
तुवा भुवळी ॥ अहे पन्न गमी श
शां क व द ने ॥ अुकी असे ॥ जावे
वेष्ट गृहा सी ॥ वद तु लें तो शुळ
ना सी त से ॥ मी तो शुळ न से प्रळा बहु
त से स्छा एुं अं से बौळ ति ॥ हे तो ना म
धरी तर तटी की जे व सी व नः प व ति
मी तो स्छा एुं न से अं से प शु प ति तुं क
मळा नै सी ॥ बेळा ये री का ये का ज



मज्झिमाश्रुतसुत्त एवमेव
 शी॥ जे जे वाक्य बदेत या उ उ की सा
 मीरुद्ध अता मीर्य॥ रामाचे करी हासे
 वानर एवमेव स्यमानी श्रये॥ ११॥
 हे व्यगोचर एके नीपश्रु पती वीस्मीत
 ज्ञावे प्रनी॥ १२॥ मीनी हे परीम
 जहृणी वारं॥ १३॥ एकी धि
 ता हे कर एकी॥ १४॥ निगेळा वर्य
 धाचो निधरीया॥ १५॥ तेव सुत से सो जी
 मळा जोग उया॥ १६॥ ती तेरी भुपु से व
 थीन हर से कार सळी गरी॥ ते वे वे म
 जळा यज्युनी दुसरी के की क सी सु हरी
 ना॥ ही जालता मी सरवे तु जे वी स्या जे
 तपा सव नि॥ १७॥ आळे मी तु मी या भये

परीनसे हे ये रागे मातु नि

॥४॥

उसे वगळावा करा लमान जा को अनु

पानगे भ्या निर हार के के ॥ तु से ने

मी अरत ता के वी थ की ॥ स ए ११

धरी की व वी हे म को की ॥ ४४ ॥

तनु का तु से जी जी व नाने ॥

पथी चा वता ॥ अ का उ क ने ॥

वधू चार हा चा हा स दु स्य वा सी ॥

उठे राख वा द्या न से मी थ्य गो धी ॥ ४५ ॥

बहु य म सेवा स तु से शरीरी ॥ पु जा

वा ती के की हे ग धो प च्या री ॥ न स्वा

ची श्रुत ते दी स गि ग इ ग इ ॥ सु ए

[illegible]

पश्योतीं नमोस्तुते दानैवेद्यं गृह्यतां च
 वज्रालीमेश्वरममरुपाद्यात् मे परदेष्टे पृषा
 जेच परां गतीं दाम्निरो जंङ्गा जंङ्ग रेमा
 मिमृषन्मामवप्रतां गवमवप्र
 द्यतां दीर्घादिनीरुदा नाचयिष्ये रमक्ष
 शोचने वदन् प्रदीप्य दारैमुजिप्रक्षि
 ष्ठं च स्तुप्रक्षिप्य भूयिचं दनं च
 पयामीत्यतां च पुन्यं पुन्यं पुन्यं
 एव्यं पुन्यं तां यन्तां गात्रां दानां यन्तां
 याचनेन मद्यं वा यन्तां यन्तां यन्तां
 श्रीमरुपाचो नमराधमता



छिन्नी श्रीधनश्च नैहा कं मुना पारचीरं श्रीरामरक्षा
 स्तोत्रं पुनश्चिन्नीरामचन्द्रादयः मरुः ४९७ म० ७०४



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com